गणतंत्र का महापर्व

(चुनाव जागरूकता पर आधारित)

''नुक्कड़ नाटक''

प्रथम दृश्य

(मंच पर गोल वृत में सभी कलाकार बैठे हुए हैं, प्रारंभिक घोषणा के उपरान्त नेपथ्य से गीत उभरता है)

गीत

चलऽ भैया मिलके हो चलऽ बहिना मिलके
वोटवा के मिलल अधिकार हो
चलऽ चलऽ मिलके।
न चाही सोना नाहीं रूपैया
पहचान पत्र एगो चाही हो भैया
प्रजातंत्र एकरे कहल जाला भैया
वोटे हमर हथियार हो
चलऽ चलऽ मिलके।
आपन पसंद के तूं चुनऽ निसनवां
ई0वी0एम0 के दबाबऽ तू नीला बटनवां
लालबती जब जली जानऽ हो भैया
हो जाई वीप के आवाज हो
चलऽ चलऽ मिलके।
नयका समाज निर्माण करऽ भईया
जब से पुरल तोर 18 उमड़ियां
आपन सपनवां सजाबऽ हो भैया
वोट खातिर रहऽ तैयार हो
चलऽ चलऽ मिलके।

(गीत समाप्ति के बाद एक महिला कलाकार उठकर मंच पर आती है और गीत गीत गाते हुए)

छैला–छैला पुकारू मैं वन में
छैला छुपा किसके मन में........

कहां हो छैला, किधर छुपे हो, अरे भाईयों आपलोगों ने मेरा छैला को देखा है

(समूह स्वर नहीं)

(छैला का प्रवेश)

मैं आ गया लैला

लैला– का बात है जी, बेसुरा अलाप क्यों लगा रहे हो ?

छैला– मेरी प्यारी लैला न करो ऐसी बात, तुम्हारी बातें सुन कर होता है आघात।

लैला– छोड़ो–छोड़ो चिकनी चुपड़ी बातें, ये बताओ किस लिए बुलाया

छैला– मैं तो ये पूछ रहा था कि आज सूरज किधर से निकला है

लैला– जिधर से रोज निकलता है उधर से ही

छैला– तो फिर औरों की तरह रोज तुम भी बन–ठन कर क्यों नहीं निकला करती हो, का बात है आज होठों पे लाली, कानों में बाली, कोई खास बात है का ?

लैला– हां, खास बात ही है आज, हमारा भाई आने वाला है। ये देखो उसकी चिटठी आई है। मेरे मायके में छोटे भाई की शादी है इसीलिए वो मुझे लेने आ रहा है।

छैला– अच्छा तो ये बात है ये साजो सिंगार भाई के आने पर किया जा रहा है,
मेरे लिए सिंगार पटार करने में नानी मरने लगती है।

लैला– देखिए जी मेरे नाना–नानी की बात मत कीजिए।

छैला– काहे न करें, कभी हमरे खातिर होठ पे लाली कान में बाली , माथे पे जूड़ा लगाई हो और जब भाई आ रहा है तो बन–ठनकर तैयार बैठी हो।

लैला– देखिए जी, हंसी ठिठोली बंद कीजिए हमको ई सब अच्छा नहीं लगता है, हम जा रहे हैं पूआ पकवान बनाने।

छैला– पूआ पकवान ही बनाओ, जो जरूरी है मत करो

लैला– का जरूरी काम है तनी बताओंगे तब न जानेंगे

छैला– अब हम कुछ न बतायेंगे, भैया जी आ रहे रहे हैं सब ओही बतावेंगे

(भैया जी प्रवेश, साथ में अन्य पदाधिकारी)

भैया जी– का खुसुर–फुसर हो रहा है दुनों परानी में

लैला– खुसुर–फुसुर कुछो न भैया जी, उ हम इ कह रहे थे कि आज हमरा भाई आ रहा है, हम नईहर जाने खातिर पुआ–पकवान बनाने जा रहे हैं

भैया जी– इ सब तो ठीके है बाकी उससे भी जरूरी काम एगो आ गया है जे सब गांव वालों को करना है।

लैला– उ कवन काम है भैया जी

भैया जी– छैला नहीं बताया तुमको

लैला– इ का बतावेंगे, हम तो इनको फुटलो आंख न सुहाते हैं

छैला– अब सुन लीजिए भैया जी हरदमे हमरा पर हाथ घो के परल रहती है, जब भी कुछ ज्ञान की बात करते हैं तो मुंह बिचकाने लगती है।

भैया जी– ई सब हंसी मजाक छोड़ो तुम लोग, बात ई है कि बी0एल0ओ0 साहिब चुनाव आयोग से आये हैं। हमलोगों को जानकारी देने कि चुनाव होने वाला है। चुनाव में वोट कैसे देना है इ सब बात की जानकारी देंगे।

लैला– इ तो बड़ा निमन बात है, गांव के सब आदमी को जानना और समझना चाहिए

छैला– देखिए कितना निमन बात कह गयी, कभी–कभी इसकी चतुराई पर

	हमको गर्व होता है। सचमुच ई बुद्धी का बटलोही आ ज्ञान का गगरी हैं हम अभी सब गांव वालों को बुलाते हैं (ग्रामीणों को आवाज लगाता है)
	अरे रघुआ, एतवारू, मंगरू, चम्पा भौजी, कलुआ सब इधर दौड़ के आओ
	(गांव वालों का प्रवेश)
रघुआ–	क्या बात है भईया, सबेरे–सबेरे हम सब को काहे खातिर बुलाया है
भैया जी–	पहले आप सब पेड़ के छांव में बैठ जाइये फिर हम बताते हैं।
	देखो भाई, ई बी0एल0ओ0 साहेब लोग चुनाव आयोग से सीधे आपके पास आये हैं। चुनाव के बारे में कुछ जरूरी बात बतावेंगे,
बी0एल0ओ0–	नमस्कार भाईयों, आप लोगों से मिलकर बहुत खुशी हो रही है। आप सबों के लिए मैं जानकारी का पिटारा लेकर आया हूँ।
भैया जी–	साहेब जी जो कुछ भी बतावेंगे, आप लोग ध्यान से सुनियेगा और बीच में टोका–टाकी मत कीजिएगा
बी0एल0ओ0–	बोलना ये है कि चुनाव हमारे सर पे है, और इस बार का जो चुनाव होगा वो पिछली बार की तरह इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन द्वारा होगा
कलुआ–	अच्छा तो ये बात है।
बी0एल0ओ0–	स्वतंत्र भारत का हर वह नागरिक जो साल की पहली जनवरी को 18 की उम्र या इससे ज्यादा का हो गया हो वह लोक सभा या विधान सभा चुनाव में संवैधानिक रूप से वोट डालने का अधिकारी हो जाता है। आपके द्वारा चुना गया व्यक्ति देश का प्रतिनिधित्व करता है और आपकी समस्याओं को लोक सभा या विधान सभा मे ंरखकर लोक कल्याणकारी योजनाओं को क्रियांन्वित करने में सरकार की मदद करता है।
लैला–	आज तक तो हम ई बात समझिये नहीं सके। अब तो हम अपन वोट खूंटा ठोक के गिरायेंगे।
बी0एल0ओ0–	इसलिए चुनाव आयोग ने फोटो पहचान पत्र की व्यवस्था करवायी है। तुम्हारा फोटो खींचाया है कि नहीं ?
छैला–	सर गांव में एकबार फोटो खींचे वाला आया था, उ हम सबका फोटो खींच के ले गया था। बाकि लैला का फोटो न खिंचा पाया था, इ शहर चली गयी थी।
बी0एल0ओ0–	तब तो ठीक है, निश्चित तौर से आप लोगों का नाम वोटर लिस्ट में होगा और यदि आप में से किसी का नाम वोटर लिस्ट में नहीं होगा तो फार्म –6 में फोटो के साथ आवेदन भरकर अपने क्षेत्र के बी0एल0ओ0 को दें। यह फार्म बी0एल0ओ0 से प्राप्त किया जा सकता है।
ग्रामीण–2	ई तो बहुते निमन काम हो रहा है सर, अब हमहुं वोट डाल पायेंगे।
बी0एल0ओ0–	जरूर डाल पायेंगे, लेकिन वोट कैसे डालेंगे जरा इसके बारे में जान लीजिए। बूथ पर जब आप जायेंगे तो सबसे पहले अपना फोटो

पहचान पत्र जरूर साथ में लेकर जायेंगे। अगर किसी भाई–बहन के पास पहचान पत्र न हो तो वैसी स्थिति में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित अन्य दस्तावेज लेकर वोट देने जा सकते हैं। बूथ पर भीतर जाने पर वोटिंग कम्पार्टमेन्ट में आपके सामने एक ई0वी0एम0 मशीन रखी मिलेगी, मशीन के बायीं ओर हरी बत्ती जलने पर समझिए मशीन वोट के लिए तैयार है।

चुनाव अधिकारी 2   अब आपको सिर्फ इतना ही करना है कि मनचाहे उम्मीदवार को वोट डालने के लिए उसके नाम के सामने वाला बटन दबायें, बटन दबाने पर लाल बत्ती जलेगी और बीप की आवाज आयेगी, समझिए आपका वोट पड़ चुका है।

लैला–   वाह, तब तो बहुते आसान है

छैला–   चुप बइठ बीच में टोका–टोकी काहे करती है

बी0एल0ओ0–   नहीं–नहीं, उन्हें डांटिए नहीं, बोलने दीजिए

लैला–   हं–हं हम बोलेंगे– काहे नहीं बोलेंगे ? न समझेंगे तो बोलेंगे नहीं ?

छैला–   का नहीं समझी है, बोल

लैला–   बोलते हैं न, पहिले आप चुप हो जाइए। हं सर, हम इ पूछ रहे थे कि उ मशीनवां से बटन दबाने पर आवाज न निकले तो का करना चाहिए

बी0एल0ओ0–   देखिए कितनी समझदारी की बात पूछ बैठी। बात साफ है अगर आवाज न निकले तो वहां जो अधिकारी बैठे रहते हैं उनको इसकी जानकारी देनी चाहिए।

लैला–   अब हम समझ गये

ग्रामीण–3   सर, हमारी दादी खुद से चलने–फिरने से लाचार है का हम उसको अपने साथ बूथ पर लेकर जा सकते हैं ?

बी0एल0ओ0–   जरूर, क्यों नहीं ? कोई भी निःशक्त व्यक्ति अपने साथ 18 वर्ष या ज्यादा उम्र के दूसरे व्यक्ति को अपने साथ बूथ पर ले जा सकता है। अगर वह चलने–फिरने में असमर्थ हो तो व्हील चेयर पर बैठकर मतदान केन्द्र परिसर तक अंदर जा सकता है। प्रत्येक मतदान केन्द्र पर निःशक्त मतदाताओं के लिए रैम्प की व्यवस्था की गयी है।

लैला–   भैया जी, एगो बात और पूछना है

भैया जी–   हं–हं पूछो जरूर पूछो। इसलिए तो हमारे बी0एल0ओ0 साहब आये हैं।

लैला–   हमरी चाची आंख से अंधी है। उसको कुछ दिखता नही है। उ कैसे वोट डालेगी

बी0एल0ओ0–   देखिए, अब दृष्टिहीन व्यक्तियों के लिए ब्रेललिपि से तैयार डमी बैलेट पेपर द्वारा मतदान करने की सुविधा भी दी गयी है।

भैया जी–   दृष्टिहीन मतदाताओं को पीठासीन अधिकारी द्वारा डमी बैलेटशीट उपलब्ध कराई जायेगी, जो इस शीट को स्पर्श कर उम्मीदवारों के

क्रमांक, नाम व दल को जान सकेगा।

बी0एल0ओ0– इसके बाद दृष्टिहीन मतदाता बैलेट यूनिट पर लगे न्यूमेरिक स्टीकर पर अंकित क्रमांक को पढ़कर इच्छित उम्मीदवार के सामने वाला बटन दबाकर मतदान कर सकेंगे।

ग्रामीण–3 तब तो बहुत ही आसान हो गया वोट डालना। अब कोई बूथ से हम सबको भगा नहीं पायेगा और न ही कोई हमारे नाम का वोट डाल पायेगा।

बी0एल0ओ0– एक दम ठीक समझा आपने, चुनाव आयोग ने फोटो पहचान पत्र बनवाने हेतु एक अभियान चलाया है, प्रत्येक जिला कलक्टर कार्यालय एवं प्रत्येक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय पर स्थाई फोटोग्राफी की व्यवस्था की गयी है।

छैला– एगो हमहु बात पूछें सर ?

चुनाव अधिकारी–2 क्यों नहीं, जरूर पूछिए

छैला– जिस किसी का वोटर लिस्ट में नाम न होगा तो वो का करेगा ? वोट डालेगा कि नहीं ?

बी0एल0ओ0– देखिए भाई अगर किसी का नाम मतदाता सूची में न हो तो वैसी स्थिति में अभी से जानकारी लेने के लिये वोटर हेल्पलाइन की व्यवस्था की गयी है। उससे आप फोन करके पता कर सकते हैं। उनका फोन नंबर है....................................मोबाईल में पी0बी0ई स्पेस देकर मतदाता फोटो पहचान पत्र संख्या टाइप कर .... या .... पर एस0 एम0 एस0 करें।

भैया जी– एक बात और जान लीजिए आप लोग, जिनका नाम मतदाता सूची में है किन्तु उनके द्वारा फोटो पहचान पत्र नहीं बनवाया गया हो उन सभी मतदाताओं को निःशुल्क नये पहचान पत्र उपलब्ध कराये जा रहे हैं। ऐसे मतदाता अपना दो रंगीन पासपोर्ट साईज फोटो (फार्म –8 में) देकर अथवा अभियान में फोटो खिंचवाकर इसका लाभ ले सकते हैं।

बी0एल0ओ0– और जिनके पास मतदाता फोटो पहचान पत्र है परन्तु कुछ कारणों से उनका फोटो मतदाता सूची में मुद्रित नहीं है ऐसे सभी मतदाताओं से आग्रह है कि वे अभी ही अपना दो रंगीन फोटो (फार्म –8 में) बी0एल0ओ0 अथवा निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के पास समर्पित करें।

ग्रामीण–1 एक बात जरा स्पष्ट कर दें सर! यदि बुथ पर जाने में बिलम्ब हो गया हो और वहॉ लम्बी लाइन लगी हो तो क्या मुझे कठिनाई नहीं होगी।

बी0एल0ओ0– बिल्कुल नहीं ? मतदान समाप्त होने के निर्धारित समय तक जितने भी मतदाता लाइन में रहेंगे उन्हें मतदान करने दिया जायेगा, चाहे जितनी भी समय लगे।

भैया जी– समझ गये न आप लोग कि कुछ बाकी है ?

ग्रमीण– सर, हम सब की आंखें खुल गयी। अब तक आंख रहते अंधा थे हम

सब,

बी0एल0ओ0– नहीं–नहीं, ऐसा नहीं है ये सब तो हम लोगों का फर्ज एवं कर्तव्य है। अपने कर्तव्य का निर्वहन हर प्राणी को करना चाहिए तभी तो अच्छे समाज का निर्माण हो सकेगा।

छैला– समझी रे लैला, बोलो का अब भी नइहर जायेगी कि बूथ पर जाके वोट डालेगी

लैला– हम सब समझ गये, अब एह से जरूरी कोनो काम नहीं है। सबसे पहले हम अपना फोटो खिंचवाकर पहचान पत्र बनवायेंगे फिर वोट डालेंगे, चलो जी बाजार हमरा दुगो रंगीन फोटो खिंचवा दो

छैला– वाह इ हुई न अकल की बात, सचमुच तु अकिल की बटलोही और ज्ञान की गगरी हो, शुभ काम में देर क्यों, चलों बाजार चलें।

(समूह गायन)
जगो जागो जागो भैया जागो बहिना जागो
जमाना बदल गया है जमाना बदल गया है
प्रजातंत्र के महापर्व में अपना हाथ बंटाओ
जमाना बदल गया है जमाना बदल गया है।
अब अपने अधिकार को जानो
वोट की शक्ति को पहचानो
नव निर्माण हमें करना है जीवन सफल बनाओ
जमाना बदल गया है जमाना बदल गया है।
घर–घर ऐसा अलख जगाओ
मानवता का पाठ पढ़ाओ
अपने ही हाथों से अब अपनी तकदीर सवाँरो
जमाना बदल गया है जमाना बदल गया है।
सत्य अहिंसा को अपनाओ
लोक तंत्र का मान बढ़ाओ
जब जागे हम तभी सबेरा नव इतिहास बनाओ
जमाना बदल गया है जमाना बदल गया है।

समाप्त।